RAJYA SABHA

Monday, the 4th August, 2003/13 *Sravana,* 1925 *(Saka)*

The House met at eleven of the clock,

MR. CHAIRMAN in the Chair.

RE. SPEECH BY PRIME MINISTER AT AYODHYA ON CONSTRUCTION OF RAM TEMPLE

श्री रमा शंकर कौशिक (उत्तर प्रदेश): श्रीमन्, माननीय प्रधान मंत्री जी ने श्री रामचन्द्र परमहंस की अंत्येष्टि के अवसर पर अयोध्या में राम मंदिर निर्माण करने की जो घोषणा की है, उससे पूरे देश में सनसनी और आक्रोश पैदा हो गया है। ... **(व्यवधान)**...

श्री सभापति: राम मंदिर बनाने की घोषणा से आक्रोश पैदा हो गया है? ... **(व्यवधान)**...

श्री रमा शंकर कौशिक: श्रीमन्, ...**(व्यवधान)**... जनेश्वर जी आ गए हैं, वे बोलेंगे।

श्री सभापति: जो बात कहनी थी, वह आपने कह दी है। अच्छा बोलिए जनेश्वरजी।

श्री जनेश्वर मिश्र (उत्तर प्रदेश): सभापति महोदय, एक अजीब उत्तेजना का वातावरण प्रधान मंत्री जी के वक्तव्य के बाद देश भर में फैल रहा है। यह सच है कि शोक सभा में आदमी कभी-कभी भाव-विह्वल होकर ऐसी बोली बोल देता है जिसका नुकसान बाद में होता है। एक तो मंत्री लोगों से आपकी मार्फत मैं निवेदन करूंगा कि जब सदन में बहुत सी चर्चाएं इस विषय पर हो रही हों तो वे बाहर इस विषय पर ऐसा कुछ न बोल दें जो सदन की गरिमा के खिलाफ हो और प्रधान मंत्री के पद पर बैठे हुए व्यक्ति को ऐसा नहीं करना चाहिए।

दूसरी बात यह है कि यह इतना तनावपूर्ण सवाल है कि जब से 6 दिसम्बर, 92 की घटना हुई है, हिंदुस्तान एक अजीब किस्म के माहौल से गुजर रहा है। जो कोई भी प्रधान मंत्री की कुर्सी पर या मंत्री की कुर्सी पर बैठे, उसे अपने आचरण को संतुलित करना चाहिए। इसलिए सभापति महोदय, मैं चाहता हूं कि इस पर आप गंभीरता से चर्चा कराएं, चाहे अभी कराएं या बाद में कराएं।

THE LEADER OF THE OPPOSITION (DR. MANMOHAN SINGH): Mr. Chairman, Sir, I share the concern expressed by my hon. colleague. Time and again, it has been stated on behalf of the Government that the construction of Ram Temple at Ayodhya is not on the NDA Government's Agenda. The Parliament is in session, yet, the Prime Minister has used the sad occasion of a funeral to make his statement on a most contentious issue. We feel that the least the Prime Minister can do is to come before the House and tell us what exactly is it that he has in mind, what are the intentions of his Government, and what is it exactly that he had said on the occasion of the funeral.

संसदीय कार्य मंत्री (श्रीमती सुषमा स्वराज): सभापति जी, प्रधान मंत्री का जो वक्तव्य कल छपा, उसका सही स्वरूप आज अखबारों में छप चुका है। मुझे नहीं लगता कि उसके बाद कोई प्रश्न बकाया रह गया है। प्रधान मंत्री से पूछे जाने की या यह मुद्दा उठाने की कोई बात है नहीं। लेकिन ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: ठहरिए ....ठहरिए.... सुनिए तो सही, बीच में परेशान न करें।

श्रीमती सुषमा स्वराज: लेकिन चूंकि दो माननीय सदस्यों ने नेता प्रतिपक्ष के समेत यह सवाल इस सदन में उठाया है, तो मैं उन्हें कहना चाहूंगी कि आज ही अपने यहां ऑर्डर पेपर पर एक चर्चा ऐसी लगी हुई है जिसके संबंध में स्वयं प्रधान मंत्री इस सदन में चार बजे आने वाले हैं। जो कुछ उन्हें कहना होगा अपनी प्रतिक्रिया के रूप में, वे चार बजे इस संबंध में भी कह देंगे, जिस समय वे इस सदन में उस चर्चा के संदर्भ में आएंगे।

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Rejection of food consignments

*201. SHRI PARMESHWAR KUMAR AGARWALLA: Will the Minister of COMMERCE AND INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that United States and European Union have rejected large consignments of Indian food products;

(b) if so, the details thereof; and

(c) the action being taken by Government in this regard?